अनिश्चित समय में आशा

जब हमारे चारों ओर की दुनिया अस्थिर हो जाती है — चाहे वह हमारे व्यक्तिगत हालात हों, आर्थिक अनिश्चितता, बीमारी या सामाजिक अशांति — तो हमारा स्वयं अस्थिर महसूस करना स्वाभाविक है। जब जो ज़मीन हमें कभी ठोस लगती थी, वह रेत जैसी खिसकती सी लगने लगे, तो भय हमें जकड़ सकता है — भविष्य का डर, या जबरदस्ती थोपे जा रहे बदलावों का डर। ऐसे समय में, हमारी स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है कि हम हर चीज़ पर नियंत्रण पाने की कोशिश करें और सब कुछ अपने हाथ में ले लें।

क्या आप कभी यह चाहत रखते हैं कि अगर आप किसी जोखिम भरी स्थिति में भी पड़ जाएं, तो आपको यह विश्वास हो कि आपको कोई हानि नहीं पहुंचेगी? क्या आज के दौर में इस तरह का मन का चैन अव्यवहारिक लगता है? अच्छी खबर यह है कि आप परमेश्वर में सुरक्षा और शांति पा सकते हैं — चाहे हालात कितने भी अशांत क्यों न हों, चाहे डर की आंधियां आपके चारों ओर क्यों न चल रही हों, या चिंता की लहरें आपको बहा ले जाने की धमकी दे रही हों।

बाइबल हमें बताती है कि इस धरती पर हमें कठिन समयों से गुज़रना पड़ेगा (यूहन्ना 16:33)। लेकिन अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर ने वादा किया है कि वह सदा हमारे साथ रहेगा।
“भले ही मैं घोर अंधकार से भरी घाटी से होकर चलूं, मुझे कोई भय नहीं होगा, क्योंकि तू मेरे साथ है” (भजन संहिता 23:4)।
“मैं जानता हुँ कि यहोवा सदा मेरे साथ है। मैं कभी डगमगाऊंगा नहीं” (भजन संहिता 16:8)।

हममें से कोई नहीं जानता कि भविष्य में क्या होने वाला है। हम यह भी नहीं जान सकते कि जो मुश्किलें हम अभी झेल रहे हैं, वे कुछ ही समय में दूर हो जाएंगी या जीवन भर रहेंगी। लेकिन विश्वास यह जानता है कि परमेश्वर हमें कभी अकेला नहीं छोड़ेगा; वह हमारे साथ हर संकट में चलेगा।

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ बदलाव बहुत तेज़ी से हो रहे हैं, और हर बदलाव के साथ अनिश्चितता आती है। अनिश्चितता चिंता, तनाव और बेचैनी को जन्म देती है। यह अस्थिरता हमारे आनंद और विश्वास को चुरा सकती है, और हमें थका हुआ, चिंतित, विचलित और भावनात्मक रूप से थका हुआ महसूस करा सकती है।

बाइबल कहती है:
“अपनी सारी चिंताओं को परमेश्वर पर डाल दो, क्योंकि वह तुम्हारी चिंता करता है” (1 पतरस 5:7)।
परमेश्वर चाहता है कि हम अपनी सारी चिंताएं उसे सौंप दें, ताकि वह हमारे हृदय में आशा, आत्मा में शांति और जीवन में बल भर सके।

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु मसीह को इस धरती पर एक मनुष्य के रूप में भेजा (यूहन्ना 3:16)। वह वह सब कुछ हैं जो आप एक सच्चे मित्र, सलाहकार, मार्गदर्शक और शिक्षक में चाहते हैं। जब यीशु आपके जीवन में आते हैं, तो उनका साथ कभी नहीं छूटता।

अगर आपने अब तक परमेश्वर की उपस्थिति में वह आशा, शांति और स्थिरता नहीं पाई है, तो हम आपको आमंत्रित करते हैं कि आप उनके पुत्र यीशु को अपने हृदय में ग्रहण करें। आप नीचे दी गई प्रार्थना के द्वारा यीशु को अपना सकते हैं:

प्रार्थना:
प्रिय यीशु, धन्यवाद कि आपने मेरे लिए प्राण दिए ताकि मुझे अनंत जीवन मिल सके। कृपया मुझे मेरे सभी गलत और प्रेमहीन कार्यों के लिए क्षमा करें। मेरे हृदय में आ जाइए, मुझे अपने अनंत जीवन का वरदान दीजिए, और मुझे आपके प्रेम और शांति को जानने में मदद कीजिए। धन्यवाद कि आप इस क्षण से हमेशा मेरे साथ रहेंगे। आमीन।

© 2020 Activated
To learn more, visit our website at: https://activated.org/en/.